



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3-- उप-खण्ड (i)  
PART II--Section 3 --Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 349 ]  
No. 349]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 25, 1995/भाद्र 3, 1917  
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 25, 1995/BHADRA 3, 1917

वित्त मंत्रालय  
( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

सं० 130/95-सीमाशुल्क

सां० 598( अ ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 ( 1962 का 52 ) की धारा 25 की उपधारा ( 1 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, पूंजी माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटकों को, जब उनका ऐसे पूंजीमाल के किसी विनिर्माता द्वारा भारत सरकार की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 111/95-सीमाशुल्क, तारीख 5 जून, 1995 के निबंधनों के अनुसार शुल्क की शून्य दर पर पूंजी माल के आयात के लिए निर्यात और आयात नीति के निबंधनों के अनुसार निर्यात संबर्धन पूंजी माल स्कीम के अधीन अनुज्ञप्ति धारण करने वाले किसी व्यक्ति को प्रदाय करने के लिए आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 ( 1975 का 51 ) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

- (i) संघटकों का अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा निर्यात और आयात नीति के पैरा 46 के द्वितीय उप-पैरा के निबंधनों के अनुसार अनुदत्त किसी अनुज्ञप्ति के ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अनुज्ञप्ति कहा गया है ) अधीन और उसके अनुसार आयात किया जाता है;
- (ii) उक्त अनुज्ञप्ति में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट है,—
  - (क) उक्त अनुज्ञप्ति के अधीन आयात किए जाने वाले संघटकों का वर्णन, मात्रा और मूल्य;

- (ख) विनिर्माण किए जाने वाले पूंजी माल का वर्णन, मात्रा और मूल्य;
- (iii) आयातकर्ता उक्त अनुज्ञप्ति की बाबत निर्यात और आयात नीति में विनिर्दिष्ट सभी अपेक्षाओं का पालन करता है;
- (iv) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए, जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त विनिर्दिष्ट करे, आयात के पत्तन पर इस आशय का एक बंधपत्र निष्पादित करता है कि—
- (1) संघटकों का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा और आयातकर्ता द्वारा विनिर्मित पूंजी माल का ऐसे व्यक्ति को प्रदाय किया जाएगा जो उक्त अधिसूचना सं० 111/95-सीमाशुल्क, तारीख 5 जून, 1995 के निबंधनों के अनुसार शुल्क की शून्य दर पर पूंजी माल के आयात के लिए निर्यात और आयात नीति के निबंधनों के अनुसार निर्यात संबंधन पूंजीमाल स्कीम के अधीन अनुज्ञप्ति धारण करता है;
  - (2) आयातकर्ता के कारखाने में पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए प्राप्त और खपाए गए उक्त संघटकों का लेखा रखा जाएगा;
  - (3) आयातकर्ता ऐसे सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा, जिसकी अधिकारिता में पूंजी माल प्राप्त करने वाला एकक स्थित है, जारी किया गया एक प्रमाणपत्र तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त अनुज्ञात करे, आयात के पत्तन पर प्रस्तुत करेगा जिसमें आयातकर्ता द्वारा प्रदाय किए गए ऐसे पूंजी माल का वर्णन और उसकी मात्रा उपदर्शित हो; और
  - (4) आयातकर्ता, उपर्युक्त शर्तों में से किसी का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, संघटकों पर, यदि इसमें दी गई छूट न होती, उद्ग्रहणीय शुल्क का संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना में, —

- (1) “पूंजी माल” से निम्नलिखित के लिए अपेक्षित कोई संयंत्र, मशीनरी, उपस्कर और उपसाधन अभिप्रेत है—
  - (क) अन्य माल का, जिसके अंतर्गत पैकेजिंग मशीनरी और उपस्कर, उच्च तापसह, प्रशीतन उपस्कर, शक्ति उत्पादन सेट, मशीन औजार, आरंभिक चार्ज के लिए उत्प्रेरक तथा परीक्षण, अनुसंधान और विकास, क्वालिटी तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपस्कर और उपकरण है, विनिर्माण या उत्पादन;
  - (ख) विनिर्माण, खनन, कृषि, जल कृषि, पशु पालन, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और रेशम उत्पादन में उपयोग;
- (2) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्यिक मंत्रालय की अधिसूचना सं० 1-(आर०१००-95)/92--97, तारीख 31 मार्च, 1995 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 (पुनरीक्षित संस्करण : मार्च, 1995) अभिप्रेत है;
- (3) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के अधीन नियुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार या उसके द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी अभिप्रेत है।

[फा० सं० 605/128/95-डीबीके]

ए० के० मदान, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Revenue)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th August, 1995

NO. 130/95-CUSTOMS

**G.S.R. 598(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of capital goods when imported into India by a manufacturer of such capital goods for supply to a person holding a licence under the Export Promotion Capital Goods Scheme in terms of the Export and Import Policy for import of capital goods at zero rate of duty in terms of notification of the Government of India in the Ministry of Finance, No. 111/95-Customs, dated the 5th June, 1995 from whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the components are imported under, and in accordance with, a licence (hereinafter referred to as the said licence) granted by the Licensing Authority in terms of second sub-paragraph of paragraph 46 of the Export and Import policy;
- (ii) the said licence specifies, inter-alia,—
  - (a) the description, quantity and value components to be imported under the said licence; and
  - (b) the description, quantity and value of capital goods to be manufactured;
- (iii) the importer complies with all the requirements specified in the Export and Import Policy, in respect of the said licence;
- (iv) the importer executes a bond, in such form and for such sum, as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs at the port of importation to the effect that—
  - (1) the components shall be used for the purpose specified above and that the capital goods manufactured by the importer shall be supplied to the person holding the licence under the Export Promotion Capital Goods Scheme in terms of the Export and Import Policy for import of capital goods at zero rate of duty in terms of the said Notification No. 111/95-Customs, dated the 5th June, 1995;
  - (2) the account of the said components received and consumed in the factory of the importer for the aforesaid purpose shall be maintained;
  - (3) the importer shall produce a certificate issued by the Assistant Commissioner of Customs or Central Excise in whose jurisdiction the unit receiving the capital goods is situated, indicating the description and quantity of such capital goods supplied by the importer within a period of three months or such extended period as the Assistant Commissioner of Customs at the port of importation may allow; and
  - (4) the importer shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with any of the above conditions, the duty leviable on the components but for the exemption contained herein.

*Explanation :—*In this notification,—

- (1) "capital goods" means any plant, machinery, equipment and accessories required for—
  - (a) manufacture or production of other goods, including packaging machinery and equipments, refractories, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, catalysts for initial charge, and equipments and instruments for testing, research and development, quality and pollution control,
  - (b) use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry and sericulture;
- (2) "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy 1 April, 1992--31 March 1997 (Revised edition:

March 1995) published *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. 1 (RE.95)/92--97 dated the 31st March, 1995;

- (3) "Licensing Authority" means the Director General, Foreign Trade appointed under section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant a licence under the said Act.

[F. No. 605/128/95-DBK]  
A.K. MADAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय  
( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

सं० 131/95-सीमाशुल्क

सां० 599(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 110/95-सीमाशुल्क, तारीख 5 जून, 1995 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के स्पष्टीकरण के खण्ड (v) में, "विदेश से संदाय प्राप्त करना" शब्दों के स्थान पर "संदाय प्राप्त करना" शब्द रखे जाएंगे।

[फा० सं० 605/71/95-डीबीके]  
ए० के० मदान, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th August, 1995

NO. 131/95-CUSTOMS

G.S.R. 599(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 110/95-Customs, dated the 5th June, 1995, namely :—

In the said notification, in the *Explanation*, in clause (v), for the words "receiving payments from abroad", the words, "receiving payments" shall be substituted.

[F. No. 605/71/95-DBK]  
A. K. MADAN, Under Secy.

Foot Note :—The principal notification was published in the Gazette of India (Extraordinary), vide Notification No. 110/95-Customs, dated the 5th June, 1995 [GSR No. 480(E) dated 5-6-95].